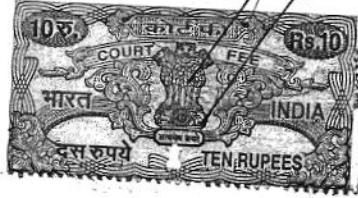


281

157

अध्यक्ष राजस्व मेडल सर्किट डोरट रीवा
न्यायालय श्रीमान उपखण्ड सहाय सीधी, जिला- सीधी (म.प्र.)



क्रमांक 2295
रजिस्टर्ड कोर्ट द्वारा आज
दिनांक 28/7/12 प्राप्त

R. 2830 - II/12

नरेश अशोक जगजीवन तनय रामनंदन विश्वकर्मा सा0- नदहा, तहसील- मझौली, जिला- सीधी
राजस्व मेडल न.प्र. ग्वालियर (म.प्र.)

याचिकाकर्ता

बनाम

जगरनाथ विश्वकर्मा तनय रामनिवास विश्वकर्मा सा0- नदहा, तहसील- मझौली,
जिला- सीधी (म.प्र.)

उत्तरवादी

अधिवक्ता श्री कब्रोक तिलारी
द्वारा प्रस्तुत
दिनांक 28-7-2012

28/7/12

पुनः निरीक्षण याचिका अन्तर्गत धारा- 50
म0प्र0 भू- राजस्व संहिता विरुद्ध आदेश
श्रीमान् उपखण्ड अधिकारी महोदय मझौली,
जिला- सीधी प्रकरण क्रमांक- 16/अपील/
11-12 निर्णय दिनांक- 03.07.12 बावत्
निरस्त किये जाने अपील समय सीमा पर।

मान्यवर,

याचिकाकर्ता निम्न आधारों पर मातहत अदालत के उक्त आदेश के
विरुद्ध पुनः निरीक्षण याचिका (निगरानी) प्रस्तुत करते हैं:-

1. यह कि याचिकाकर्ता एक गरीब, कृषक है और वह मझौली तहसील के ग्राम- नदहा का निवासी है और खेती का धन्धा करता है उसके पास कृषि के उपयोग में कुछ भूस्वामी स्वत्व की भूमियां हैं।
2. यह कि इस प्रकरण में उत्तरदाता जगरनाथ विश्वकर्मा तनय रामनिवास विश्वकर्मा ने याचिकाकर्ता के विरुद्ध प्रथम न्यायालय श्रीमान् तहसीलदार महोदय मझौली के समक्ष आराजी क्रमांक- 443/0.26 है0 में से जुज रकवा 0.13 है0, 445/0.60 है0 में से जुज रकवा 0.10 है0 किता- 2 रकवा जुज 0.23 है0 का म0प्र0 भू- राजस्व संहिता 1959 की धारा- 178-110 के तहत हिस्सा बटनवारा किये जाने हेतु न्यायालय में आवेदन पत्र पेश किया था जबकि उक्त भूमि याचिकाकर्ता के नितलबे

Ashok Tiwari
Adv
28/7/12

(157)

राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ-अ

प्रकरण क्रमांक..... R.2830-I/12..... जिला सीधी

..... विरुद्ध जगन्नाथ विश्वकर्मा

1	2	3
16-1-19-	<p>1. आवेदक की ओर से श्री..... अशोक तिवारी..... अधिवक्ता द्वारा यह निगरानी अनुविभागीय अधिकारी तहसील..... के प्रकरण क्रमांक..... 16/अपत/2011-12..... में पारित आदेश दिनांक..... 03.07.12..... के विरुद्ध प्रस्तुत की गयी है। म0प्र0 भू-राजस्व संहिता में दिनांक 25.09.2018 को हुये संशोधन के फलस्वरूप अब नवीन संशोधित संहिता की धारा 50 सहपठित संहिता की धारा 54(ए) के अंतर्गत सुनवाई हेतु प्रकरण कलेक्टर..... के न्यायालय को अंतरित किया जाता है। उभयपक्ष दिनांक..... 20.03.19..... को कलेक्टर..... के न्यायालय में सुनवाई हेतु उपस्थित हो।</p>	

सदस्य

Ashok Tiwari
adl

राजस्व संहिता 1959 की धारा- 178-110 के तहत हिस्सा बटनवारा किये जाने हेतु न्यायालय में आवेदन पत्र पेश किया था जबकि उक्त भूमि याचिकाकर्ता के नितलबे